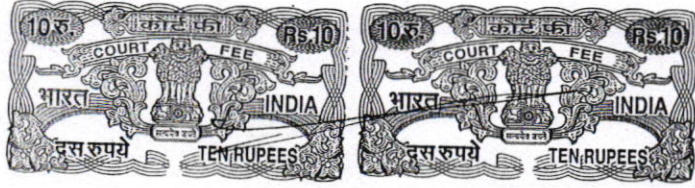


न्यायालय: राजस्व मंडल मध्यप्रदेश ग्वालियर, म०प्र०

45

पुनरीक्षण क्र/R.5126-फे/015



Re 201

- 01- संजय कुमार उम्र-33 वर्ष तनय श्री सीताराममाण्डेय
02- शिवेन्द्र कुमार उम्र-20 वर्ष
निवासी ग्राम अमरपुर, पो 0 बडोबर, धाना व तह 0 चुरहट जिला सीधी, म०प्र०.

---- निगरानीकर्ता

विरुद्ध

- 01- ईश्वरदीन त्रिपाठी तनय सुभेवरराम त्रिपाठी उम्र- वर्ष निवासी ग्राम अमरपुर, तह 0 चुरहट, जिला सीधी, म०प्र०.
02- म०प्र० राज्य द्वारा कलेक्टर महोदय सीधी, जिला सीधी, म०प्र०.

---- अना०गण.

श्री. शिवप्रसाद द्विवेदी
26-10-15

M

पुनरीक्षण अंतर्गत धारा 50 म०प्र०भूरा०सं० 1959
विरुद्ध आदेश रा०नि० मंडल चुरहट, तह 0 चुरहट
दिनांक 09.08.015 जो तहसीलदार तह 0 चुरहट
जिला सीधी, के रा०प्र०क्र० 17/अ-12/14-15
ईश्वरदीन विरुद्ध म०प्र० राज्य में पारित।

मान्यवर,

पुनरीक्षण अन्य के अतिरिक्त निम्न आधारों पर प्रस्तुत है :-

1011 अधीनस्थ न्यायालय की सम्पूर्ण कार्यवाही व आदेश दिनांक 09.08.015
सर्वथा विधि एवं न्यायिक प्रक्रिया तथा सिद्धांतों के प्रतिकूल होने से निरस्त होने
योग्य है।

1021 अना०क्र० 01 ने ग्राम बडोबर की भूमि नं० 885 के सीमांकन के लिए
आवेदन दिनांक 26.05.015 को प्रस्तुत किया ऐसा अधीनस्थ न्यायालय के आदेश में

ru

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक 5126-दो/2015 निगरानी

जिला सीधी

स्थान दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

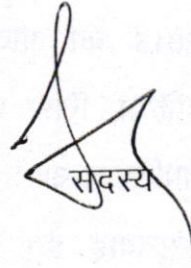
19/6/18

यह निगरानी राजस्व निरीक्षक वृत्त चुरहट तहसील चुरहट जिला सीधी के प्रकरण क्रमांक 17 अ 12/14-15 में पारित आदेश दिनांक 9-8-2015 के विरुद्ध म0प्र0 भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई हैं।

2/ प्रकरण का सारोश यह है कि अनावेदक क-1 ने ग्राम बड़खरा की आराजी क्रमांक 885 रकबा 0.220 है. के सीमांकन की मांग की, जिस पर राजस्व निरीक्षक ने प्रकरण क्रमांक क्रमांक 17 अ 12/14-15 पंजीबद्ध किया तथा सीमांकन की मेढ़िया कास्तकारों को सूचना जारी कराई। राजस्व निरीक्षक ने हलका पटवारी के साथ दिनांक 8-6-2015 को मौके पर जाकर सीमांकन कार्यवाही की, पंचनामा तैयार किया, जिस पर आवेदकगण ने आपत्ति प्रस्तुत की। सीमांकन पर आपत्ति न आने से राजस्व निरीक्षक ने आपत्तिकर्ताओं को आपत्तिकर्ताओं सुनवाई हेतु सूचना दिनांक 5-8-2015 जारी किया, किन्तु बावजूद सूचना आपत्तिकर्ता अनुपस्थित रहे। राजस्व निरीक्षक ने आदेश दिनांक 9-8-15 पारित करके सीमांकन को अंतिमता प्रदान कर दी। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

3/ आवेदक के अभिभाषक ने तर्कों में बताया है कि राजस्व निरीक्षक अथवा पटवारी ने आवेदक को सूचना दिये बिना अनावेदक से मिलकर गलत तरीके से सीमांकन किया है एवं मौके की स्थिति के मान से सीमांकन नहीं किया है। अनावेदक की भूमि के किये गये सीमांकन से आवेदक की भूमि प्रभावित हुई है। आवेदक के अभिभाषक

के तर्को पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से यह निर्विवाद है कि सीमांकित भूमि अनावेदक के नाम भूमिस्वामीस्वत्व पर शासकीय अभिलेख में दर्ज है जिसके सीमांकन कराने कर वह अधिकारी हैं। राजस्व निरीक्षक के आदेश अंकित है कि सीमांकन की पूर्व सूचना प्रदर्श **Exp-5** संलग्न है जिसमें सीमांकन दिनांक ८-६-१४ को आवेदक के पिता सीताराम पाण्डेय के सूचना पत्र पर हस्ताक्षर बने हैं। इन सभी तथ्यों को देखते हुये विचार किया जाय , यदि आवेदक स्वयं की भूमि को अनावेदक की भूमि के किये गये सीमांकन से प्रभावित होना मानता हैं, तब वह आर.आई. से वरिष्ठ अधिकारी अधीक्षक भू अभिलेख अथवा सहायक अधीक्षक भू अभिलेख से स्वयं की भूमि का सीमांकन कराने हेतु स्वतंत्र है जिसके कारण अनावेदक की भूमि के किये गये सीमांकन एवं सीमांकन आदेश दिनांक ९-८-१५ में हस्तक्षेप का औचित्य नहीं है। निगरानी सारहीन होने से इसी-स्तर पर निरस्त की जाती है।


सदस्य